इनफ्लिबनेट न्यूजलेटर

ISSN : 0971- 9849
खंड 32, अंक सं. 3 (जुलाई से सितंबर 2025)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्रीमती हेमा चोलिन
श्री मोहित कुमार

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

ONOS
https://www.onos.gov.in/

SheRNI
https://sherni.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

LIB-VAHINI
https://libvahini.inflibnet.ac.in/

ShodhShuddhi
https://shodhshuddhi.inflibnet.ac.in/

Shodh-Chakra
https://shodhchakra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

क्र.सं .	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	निदेशक की कलम से	1-2
2.	इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार	3-11
3.	विशेषीकृत सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम	11-13
4.	पुस्तकालय स्वचालन पर इन्फ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.)	13-14
5.	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	14-17
6.	भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई..एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	17-18
7.	इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-18
8.	उभयलिंगी/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-19
9.	नयी परियोजनाएँ/गतिविधियाँ	20-21
10.	इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति	21-26
11.	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच	26-27
12.	हिंदी कार्यक्रमों सहित अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ	27-32
13.	नई नियुक्तियाँ	32-33
14.	स्टाफ समाचार / कर्मचारी समाचार	33-39
15.	आगंतुक	39-40
16.	क्षेत्रीय समाचारों एवं सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट	41-43

निदेशक की कलम से,

(प्रिय पाठको)

मुझे जुलाई से सितम्बर 2025 की अवधि हेतु इन्फ्लिबनेट केंद्र का त्रैमासिक समाचार- पत्रिका प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह अंक भारत के उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता तथा निरंतर सेवा-भाव को रेखांकित करती है।

इस अवधि के दौरान "**एक राष्ट्र एक सदस्यता**" (ओ.एन.ओ.एस.) पहल ने निरंतर गति प्राप्त की। केंद्र ने राज्यवार जागरूकता कार्यक्रमों, वेबिनारों तथा प्रकाशकों के साथ सहयोगात्मक सत्रों का आयोजन कर इसकी राष्ट्रीय पहुँच को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य ओएनओएस के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उपयोगकर्ताओं के कौशल एवं संस्थागत तैयारी को सशक्त बनाना तथा देशभर में विद्वत्तापूर्ण ई-संसाधनों की प्रभावी पहुँच एवं उपयोग को बढ़ावा देना था।

इस अवधि में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) के तहत 'इंडिया रैंकिंग्स 2025' अर्थात् एन. आई. आर. एफ. के दसवें संस्करण का सफलतापूर्वक निष्पादन इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा किया गया। माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने 04 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'इंडिया रैंकिंग्स 2025' जारी की तथा इस अवसर पर केंद्र के योगदान को विशेष रूप से सराहा की।

यह तिमाही हमारी दो महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की भी गवाह बनी। राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर केंद्र ने **लिब-वाहिनी' - (*लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन ब्रिज: वर्चुअल एक्सेस हब फॉर इनोवेशन, नेटवर्किंग, एंड इंटीग्रेशन*)** का शुभारम्भ किया गया। यह मंच देश के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेज्ञों , शोधकर्ताओं तथा शिक्षाविदों के लिए समर्पित है, जिसका उद्देश्य सहयोग, कार्यस्थल पर सक्रिय उपस्थिति, कौशल विकास एवं पहचान को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने असम स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय एवं न्यायिक अकादमी में आयोजित ओएनओएस तथा इन्फ्लिबनेट सेवाओं के जागरूकता कार्यक्रम के दौरान **'इंडकैट'** के एक उप-समुच्चय के रूप में **'असमकैट'** को भी शुभारम्भ किया।

इसके अलावा, केंद्र ने 'शोधगंगा' तथा शोधशुद्धि/पीडीएस के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु विश्वविद्यालय समन्वयकों का मार्गदर्शन भी जारी रखा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि यूजीसी की नीतियों के अनुरूप मुफ्त उपलब्धता (Open Access) तथा कठोर साहित्यिक चोरी जाँच व रोकथाम की व्यवस्था संस्थागत स्तर पर सुदृढ़ हो सके। इस तिमाही का एक प्रमुख आकर्षण "अनुसंधान नैतिकता एवं अकादमिक सत्यनिष्ठा : डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग" विषयक विशेष सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा, जिसका

आयोजन बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र के सहयोग से किया गया।

तिमाही के दौरान केंद्र ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, वेबिनारों तथा जागरूकता पहलों की श्रृंखला के माध्यम से संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने के अपने प्रयास जारी रखा। केंद्र में आयोजित सोल 3.0 : इंस्टॉलेशन एंड ऑपरेशंस' पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, जिला पुस्तकालय, हिसार (उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा) में पुस्तकालय स्वचालन पर इन्फ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (IRTPLA) तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में सोल 3.0 का संस्थान-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, गुजरात पुस्तकालय निदेशालय के लिए सोल 3.0 : **इंस्टॉलेशन एंड ऑपरेशंस'** पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम गुजराती भाषा में आयोजित किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर प्रभावी पहुँच सुनिश्चित हो सकी।

इस अवधि में विश्वविद्यालयों द्वारा शोध-चक्र हेतु नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया जाना अत्यंत उत्साहवर्धक रहा, जो देश में संरचित अनुसंधान जीवनचक्र समर्थन प्रणालियों के बढ़ते अपनाव का संकेत देता है। साथ ही, 22 जुलाई 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र ने उत्तर प्रदेश के 38 स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समारोह लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक सम्मेलन केंद्र में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित हुआ। यह समझौता ज्ञापन उत्तर प्रदेश के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में इन्फ्लिबनेट की सेवाओं एवं संसाधनों तक सहज पहुँच उपलब्ध कराकर उनकी शैक्षणिक एवं अनुसंधान बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मैं इस तिमाही के दौरान केंद्र से जुड़े नए सहकर्मियों का हार्दिक स्वागत करती हूँ तथा सभी कर्मचारियों को शैक्षणिक, तकनीकी, प्रशासनिक एवं प्रसार गतिविधियों में उनके अमूल्य योगदान के लिए बधाई देती हूँ।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, केंद्र उच्च शिक्षा में ई-संसाधनों तक समान एवं न्यायसंगत पहुँच, अनुसंधान सत्यनिष्ठा तथा उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मुझे आशा है कि यह अंक हमारे पाठकों को केंद्र की गतिविधियों का एक सार्थक परिचय प्रदान करेगा तथा केंद्र के साथ आगे भी सहयोग एवं सहभागिता के लिए प्रेरित करेगा।
धन्यवाद!

प्रो. देविका पी. माडल्ली
निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र

इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / वेबिनार

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और ऑपरेशन्स” पर 176वां पांच-दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 21-25 जुलाई 2025

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स” विषय पर 176वाँ पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 25 सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स” विषय पर 176वाँ पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 25 जुलाई 2025 तक इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती शिवानी ठाकुर ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसी क्रम में,तकनीकी समन्वयक एवं वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) श्री यात्रीक पटेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों तथा विभिन्न सत्रों की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन ने पाठ्यक्रम समन्वयक तथा एसटीओ-I (एल.एस.) श्रीमती रोशनी यादव ने संयुक्त समन्वयक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

कार्यक्रम के दौरान, केंद्र द्वारा प्रतिभागियों के लिए गांधीनगर एवं अहमदाबाद का स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण (लोकल एजुकेशनल टूर) भी आयोजित किया गया , जो काफी ज्ञानवर्धक रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन तकनीकी समन्वयकों द्वारा एक प्रश्नोत्तरी (क्विज़) आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा इस क्विज़ के समापन पर एक बेहद सार्थक तकनीकी चर्चा भी हुई। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के प्रति अपनी संतुष्टि एवं सराहना सकारात्मक प्रतिक्रिया (फीडबैक) के माध्यम से साझा करते हैं । श्री यात्रीक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सीएस), तथा डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.) एवं परामर्शदाता, इन्फ्लिबनेट केन्द्र, ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर श्री पटेल ने अपने विचार साझा करते हुए SOUL उपयोगकर्ता समुदाय को निरंतर एवं समयबद्ध तकनीकी सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के विशेषज्ञों/संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	मॉड्यूल	विषय-विशेषज्ञ
1.	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
2.	डीस्पेस का उपयोग करके इंस्टीट्यूशनल रिपॉजिटरी का निर्माण	श्री यात्रीक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
3.	ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर और लिनक्स (Linux) कमांड्स का परिचय	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4.	डीस्पेस 8.x का परिचय एवं इसका प्रशासन	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)

5.	**मेटाडेटा मानक**	**डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)**
6.	**डेमो: डीस्पेस 8.x का बेसिक कस्टमाइज़ेशन**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
7.	**डेमो: डीस्पेस 8.x का इंस्टॉलेशन**	**श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
8.	**डेमो: डीस्पेस 8.x में सबमिशन प्रक्रिया**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
9.	**डीस्पेस इम्पोर्ट–एक्सपोर्ट प्रक्रिया**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
10.	**डीस्पेस बैकअप एवं रिस्टोर**	**श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
11.	**व्यावहारिक सत्र, चर्चा, प्रश्नोत्तरी एवं प्रश्न–उत्तर (Q&A)**	**श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.) , तथा श्री प्रेम विश्वकर्मा, प्रोग्रामर**

चित्र-1: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स" विषय पर 177वाँ पाँच-दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर, 18–22 अगस्त 2025।

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स" विषय पर 177वाँ पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 से 22 अगस्त 2025 तक इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से गुजरात राज्य पुस्तकालय निदेशालय तथा कड़ी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर के प्रतिभागियों (कर्मचारियों) हेतु आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षण का माध्यम निर्देश हेतु गुजराती भाषा रखा गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) श्री यात्रीक पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक-डी (सी.एस.) श्री दिव्यकांत वाघेला ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन को पाठ्यक्रम समन्वयक तथा

वैज्ञानिक-बी (सी.एस.) श्री विजयकुमार श्रीमाली को संयुक्त समन्वयक के रूप में दायित्व सौंपा गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 22 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के ज्ञानवर्धन के लिए केंद्र द्वारा गांधीनगर में एक स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण (लोकल एजुकेशनल टूर) की व्यवस्था भी की गई।

इसके बाद समापन सत्र में इन्फ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा कार्यक्रम पर अपने मूल्यवान विचार एवं सकारात्मक निष्कर्ष भी साझा किए। अंत में,वैज्ञानिक-डी (सी.एस.) श्री स्वप्निल पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केन्द्र के विषय-विशेषज्ञों / स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	**मॉड्यूल**	**विषय-विशेषज्ञ**
1.	**इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ**	**श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
2.	**प्रशासन मॉड्यूल**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
3.	**कैटलॉग मॉड्यूल**	**श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
4.	**सर्कुलेशन मॉड्यूल**	**श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
5.	**एक्विजिशन मॉड्यूल**	**श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
6.	**सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल**	**श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
7.	**सोल 3.0 इंस्टॉलेशन**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
8.	**सोल 3.0 वेब ओपेक एवं बैकअप**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
9.	**सभी मॉड्यूल्स का व्यावहारिक अभ्यास (प्रैक्टिस)**	**श्री विराज पारिख, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) , सुश्री रोज मैरी, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.), श्री रंजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), सुश्री हर्षा पारीक, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)**

चित्र-2 : प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स" विषय पर 178वाँ पाँच-दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर, 15–19 अगस्त 2025।

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में 15 से 19 सितंबर 2025 तक " सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं ऑपरेशन्स" पर 178वें पांच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केंद्र के सलाहकार एवं पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.) डॉ. एच. जी. होसामनी द्वारा किया गया। इसके उपरांत, कार्यक्रम की पाठ्यक्रम समन्वयक (कोर्स कोऑर्डिनेटर) तथा वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के अंत में, संयुक्त समन्वयक एवं एसटीओ-I (एल.एस.) सुश्री आरती सवाले ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से कुल 23 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों के व्यावहारिक और शैक्षणिक लाभ के लिए केंद्र द्वारा गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण (लोकल एजुकेशनल टूर) की व्यवस्था भी की गई।

इसके बाद आयोजित हुए समापन सत्र (वैलेडिक्ट्री सेशन) में, प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी समन्वयक एवं इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) श्री यात्रिक पटेल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। अंत में, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन द्वारा प्रस्तुत किए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस गरिमामयी कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों/विषय-विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मुख्य व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	मॉड्यूल	विषय-विशेषज्ञ
1.	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
2.	प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3.	कैटलॉग मॉड्यूल	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4.	सर्कुलेशन मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)
5.	एक्विजिशन मॉड्यूल	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
6.	सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	सुश्री आरती सावले, एसटीओ-I (एल.एस.)
7.	सोल 3.0 वेब ओपेक एवं बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
8.	सोल 3.0 इंस्टॉलेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9.	सभी मॉड्यूल्स का व्यावहारिक अभ्यास (प्रैक्टिस)	श्री विराज पारिख, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.), श्री रंजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), सुश्री रोज़मेरी, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.), सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), सुश्री हर्षा पारीक, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.), श्रीमती सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

चित्र-3 : प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर द्वारा 02 से 04 अगस्त 2025 तक “ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण एवं प्रबंधन” विषय पर तीन दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

गांधीनगर: इन्फ्लिबनेट केंद्र में 2 से 4 जुलाई 2025 तक "ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण एवं प्रबंधन" विषय पर एक तीन दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. द्वारा किया जाता है। इस मौके पर उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती अमृता देवी ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात कार्यक्रम के तकनीकी समन्वयक (Technical Coordinator) एवं वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) श्री यात्रिक पटेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हैं। इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयन का दायित्व वैज्ञानिक-डी (सी.एस.) श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.) श्री विजयकुमार श्रीमाली तथा वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन ने संभाला। कार्यक्रम में कुल 14 प्रतिभागियों ने सहभागिता की जिसे कार्यक्रम के अंत में श्री स्वप्निल पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिनों में सभी प्रतिभागियों के ज्ञान एवं समझ का आकलन करने के उद्देश्य से एक रोचक प्रश्नोत्तरी (क्विज़) का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री यात्रिक पटेल ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए एवं अंत में, श्रीमती हेमा चोलिन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों/विषय-विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मुख्य व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	मॉड्यूल	विषय-विशेषज्ञ
1.	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसमनी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
2.	डीस्पेस का उपयोग करके इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी बनाना	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
3.	ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर एवं लिनक्स(Linux) कमांड्स का परिचय	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4.	डीस्पेस 8.x का परिचय एवं इसका प्रशासन	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
5.	मानक मेटाडेटा	डॉ. एच. जी. होसमनी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (एल.एस.)
6.	डेमो: डीस्पेस 8.x का बुनियादी कस्टमाइजेशन	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
7.	डेमो: डीस्पेस 8.x की स्थापन (इंस्टॉलेशन) प्रक्रिया	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
8.	डेमो: डीस्पेस 8.x पर डेटा सबमिशन प्रक्रिया	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)

9.	**डीस्पेस आयात-निर्यात प्रक्रिया**	**श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)**
10.	**डीस्पेस बैकअप और रीस्टोर प्रक्रिया**	**श्री स्वप्रिल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)**
11.	**व्यावहारिक अभ्यास, चर्चा, क्विज़ एवं प्रश्नोत्तर सत्र**	**श्री स्वप्रिल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.); श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-(सी.एस.) ; श्री प्रेम विश्वकर्मा, प्रोग्रामर**

चित्र-4: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

शोधगंगा एवं शोधशुद्धि/पीडीएस के विश्वविद्यालय समन्वयकों हेतु नीतियों एवं दिशानिर्देशों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में 04 से 06 अगस्त 2025 तक किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा किया गया, जिन्होंने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कार्यक्रम का परिचय दिया तथा यूजीसी की नीतियों एवं दिशानिर्देशों पर प्रकाश डालते हुए शैक्षणिक जगत में प्लैजियारिज़्म (साहित्यिक चोरी) की रोकथाम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

इसके बाद उद्घाटन सत्र में डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) ने प्रतिभागियों का स्वागत संबोधन करते हुए कार्यक्रम के आगे की रूपरेखा प्रस्तुत किया ताथा बताया कि यह प्रशिक्षण अधिकतर व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) प्रकृति का होगा। सत्र के अंत में श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

समापन (वैलेडिक्टरी) सत्र की गरिमा माननीय निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा बढ़ाई गई। उन्होंने ओपन एक्सेस की अवधारणा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा शोधगंगा में क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के क्रियान्वयन को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ लेने तथा अपने-अपने संस्थानों में इन्फ्लिबनेट केंद्र की सेवाओं के प्रभावी उपयोग हेतु प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में देश के 15 राज्यों से कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी (क्विज़) सत्र आयोजित किया गया, जिसमें व्याख्यानों पर आधारित 15 प्रश्न शामिल थे। अंततः सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों/विषय-विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मुख्य व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	विषय	विषय-विशेषज्ञों
1.	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों का अवलोकन	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2.	शोध नैतिकता का परिचय	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
3.	शोधगंगा एवं ड्रिलबिट प्लैजियारिज़्म सॉफ्टवेयर का डेमो	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
4.	शोधगंगा में विश्वविद्यालय समन्वयकों की भूमिका, उत्तरदायित्व एवं नीति-दिशानिर्देश	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
5.	शैक्षणिक ईमानदारी एवं साहित्यिक चोरी से संबंधित मुद्दों का परिचय	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
6.	यूजीसी प्लैजियारिज़्म पॉलिसी, 2018 की रूपरेखा	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
7.	नैतिक शोध अभ्यास में पुस्तकालय की भूमिका	डॉ. राजेश सिंह, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, दिल्ली विश्वविद्यालय
8.	शोधार्थियों के लिए ORCID: शोधगंगा के साथ दृश्यता में वृद्धि एवं एकीकरण तथा शोध-प्रबंध अपलोडिंग का डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
9.	ओ.एन.ओ.स. खोजी सेवाएँ	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
10.	शोधगंगा का माइग्रेशन और इसके नए फीचर्स	श्री विकास पाल, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
11.	शोधचक्र का परिचय: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
12.	शोधगंगोत्री का परिचय और सिनॉप्सिस अपलोड करने की प्रक्रिया	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
13.	पीडीएस /शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	पीडीएस/शोधगंगा टीम

चित्र-5 : प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान के कुछ खास दृश्य

विशेष सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम

अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र (IUCTE), बीएचयू, वाराणसी के सहयोग से "अनुसंधान नैतिकता एवं शैक्षणिक सत्यनिष्ठा: डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग" विषय पर 18 से 22 अगस्त 2025 तक पाँच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन।

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर (गुजरात) और अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), बीएचयू, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में "अनुसंधान नैतिकता और शैक्षणिक सत्यनिष्ठा: डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग" विषय पर एक पांच-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं, जबकि सत्र की अध्यक्षता आईयूसीटीई के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह द्वारा किया गाया। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में देश के कुल 11 राज्यों से आए 48 शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो. देविका पी. माडल्ली अपने वक्तवयों को रखते हुए कहते है कि यद्यपि भारत में शोध कार्यों की संख्या काफी बढ़ रही है, किन्तु अब इसकी संख्या से ज्यादा इसकी गुणवत्ता के सुधारने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर अधिक बल दिया कि शोध प्रकाशनों के वास्तविक प्रभाव और उनकी अकादमिक गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। आगे साहित्यिक चोरी का बखान करते हुए निदेशक कहती है कि शोध में प्लेजरिज्म डिटेक्शन जैसे टूल्स और अन्य "शुद्धिकरण" तंत्रों का उपयोग इसकी गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शोध नैतिकता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सोचने की प्रक्रिया, शिक्षण पद्धति और संपूर्ण शैक्षणिक समुदाय का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे यह भी उल्लेख किया कि नैतिकता और ईमानदारी भारतीय सांस्कृति के मूल्यों एवं विरासत में गहराई से निहित हैं और यही राष्ट्र की समृद्धि एवं विकास की आधारशिला हैं।

इसी क्रम में, प्रो. प्रेम नारायण सिंह संबोधन को आगे बढ़ाते हुए सभी प्रतिभागियों एवं मुख्य अतिथि का स्वागत करते हैं। वे अपने विचार साझा करते हुए कहते हैं कि शोध केवल नीतियों, आचार संहिताओं और

नियमों तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इसका मूल आधार नैतिकता होना चाहिए। उन्होंने आगे बल देते हुए कहा कि नैतिकता केवल एक सैद्धांतिक अवधारणा नहीं , बल्कि इसे शैक्षणिक जीवन के दैनिक अभ्यास में अपनाया जाना चाहिए। जब नैतिकता को एक मूलभूत मूल्य के रूप में स्थापित किया जाता है, तभी शोध एवं अकादमिक समुदाय में उसका स्वाभाविक रूप से पालन सुनिश्चित हो पाता है।

डीन (शैक्षणिक एवं अनुसंधान) प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए क्यूएस तथा कोठारी आयोग की प्रतिवेदन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय गंभीर आत्ममंथन की मांग करता है। प्रो. श्रीवास्तव ने इस बात पर बल दिया कि केवल बाहरी नियमन अब पर्याप्त नहीं है; प्रत्येक शोधकर्ता और शिक्षक के लिए व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा एवं नैतिक उत्तरदायित्व का विकास अत्यंत आवश्यक है।

इसके बाद के तकनीकी सत्रों में, इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री मनोज कुमार के. ने “अनुसंधान, नैतिकता एवं शैक्षणिक सत्यनिष्ठा का परिचय” तथा “अनुसंधान नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा: यूजीसी विनियम एवं राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज्म) दिशानिर्देश” विषयों पर व्याख्यान दिए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सत्यनिष्ठा केवल ईमानदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शोध और अकादमिक कार्यों की विश्वसनीयता की आत्मा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब शोध में सत्यता और पारदर्शिता को केंद्र में रखा जाता है, तभी उसका वास्तविक प्रभाव समाज और राष्ट्र तक पहुँच पाता है।

इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों (जिनमें बिहार, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं) का प्रतिनिधित्व करने वाले 48 शोधार्थियों के साथ-साथ आईयूसीटीई - बीएचयू के कुछ संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस सफल कार्यक्रम का संयुक्त समन्वयन आई.यू.सी.टी.ई. के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री चक्रधर राणा तथा इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री मनोज कुमार के. द्वारा संपन्न किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में वैश्विक शैक्षणिक एवं अनुसंधान नैतिकता की गहन समझ विकसित करना, शैक्षणिक ईमानदारी तथा एक उत्तरदायी शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करना था। साथ ही, इसका लक्ष्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देशों की समुचित व्याख्या कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना तथा साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज्म) की रोकथाम हेतु डिजिटल उपकरणों के उपयोग में दक्षता प्रदान करना था।

चित्र–6: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में “सोल 3.0: स्थापना एवं संचालन” विषय पर सहयोगात्मक इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 4 से 6 अगस्त 2025 तक किया गया।

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से 4 से 6 अगस्त 2025 तक “सोल 3.0: स्थापना एवं संचालन” विषय पर तीन-दिवसीय इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से विश्वविद्यालय के 19 आंतरिक पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन्फ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान) श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली तथा सलाहकार डॉ. एच.जी. होसामनी मुख्य विषय-विशेषज्ञों के रूप में प्रशिक्षण उपस्थित रहे।

चित्र–7: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

पुस्तकालय स्वचालन पर इन्फ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए)

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा ऑफलाइन मोड में एक (01) आई.आर.टी.पी.एल.ए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पुस्तकालय, हिसार (उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा) और इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से 8 से 12 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि **श्री अशोक गर्ग, आईएएस** (मंडलायुक्त, सीईओ - मेट्रोपॉलिटन हिसार एवं प्रबंध निदेशक - दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम) द्वारा किया गया। इस अवसर पर **डॉ. विवेक सैनी** (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, हिसार सह जिला उच्च शिक्षा अधिकारी - DHEO) और **डॉ. एस.एस. सांगा** (प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

क्र.सं.	**संस्था का नाम**	**प्रशिक्षण की तिथि**	**प्रतिभागियों की संख्या**	विषय-विशेषज्ञों
1.	जिला पुस्तकालय, हिसार, उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा	8–12 सितंबर 2025	49	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), श्रीमती सविता देवी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (एल.एस.)

चित्र–8: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

इस प्रतिवेदन अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा "एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) संबंधित विभिन्न राज्य-वार जागरूकता कार्यक्रमों (ऑफलाइन एवं वेबिनार) का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, विभिन्न प्रकाशकों के सहयोग से ओ.एन.ओ.एस. पर केंद्रित सहयोगात्मक वेबिनार भी आयोजित किए गए, जिनमें 'ओ.एन.ओ.एस. कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटर' तथा 'एक्सेस' से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को सम्मिलित किया गया। इन पहलों के माध्यम से ओ.एन.ओ.एस. राष्ट्रव्यापी स्तर पर जागरूकता बढ़ाने, उपयोगकर्ताओं के कौशल को सुदृढ़ करने तथा डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखना है।

ओ.एन.ओ.एस. एवं इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (ऑफलाइन)

'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) एवं इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर प्रथम 'उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन 19 अगस्त 2025 को किया गया। यह कार्यक्रम इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी (NLUJA), असम तथा असम कॉलेज लाइब्रेरियन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के 'एक राष्ट्र एक सदस्यता': एक अवलोकन', ' ओ.एन.ओ.एस. के तहत ई-संसाधनों तक पहुंच ', 'उपयोगकर्ता प्रबंधन व उपयोग की निगरानी और 'इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ' जैसे प्रमुख विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

क्र. सं.	संस्थान/विश्वविद्यालय का नाम	नामविशेषज्ञ का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	प्रशिक्षण का माध्यम	प्रतिभागियों की संख्या
1	**राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी (NLUJA), असम**	**श्री दिनेश रंजन प्रधान, साइंटिस्ट-डी (एल,एस,), श्री हितेशकुमार सोलंकी, साइंटिस्ट-डी (सी,एस,)**	**19-08-2026**	**ऑफलाइन**	**100**

चित्र-9: एनएलयूजेए (NLUJA), असम में आयोजित ओ.एन.ओ.एस. जागरूकता कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (वेबिनार)

क्र. सं.	तिथि	राज्य/क्षेत्र	विषय-विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1.	01-07-2025	तमिलनाडु	श्री राजा वी., साइंटिस्ट-सी (सीएस)	29
2.	04-07-2025	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड	डॉ. कृति त्रिवेदी, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.)	106
3.	11-07-2025	केरल	डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	
4.	18-07-2025	महाराष्ट्र और गोवा	श्री हितेशकुमार सोलंकी, साइंटिस्ट-सी (सी.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	27
5.	28-07-2025	राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड	डॉ. कृति त्रिवेदी, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	105

6.	01-08-2025	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख	डॉ. कृति त्रिवेदी, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	107
7.	08-08-2025	ओ.एन.ओ.एस. संस्थागत प्रशासन एवं अभिगम: गुजरात	डॉ. कृति त्रिवेदी, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	67
8.	22-08-2025	ओ.एन.ओ.एस. संस्थागत प्रशासन एवं अभिगम: कर्नाटक	श्री दिनेश रंजन प्रधान, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	632
9.	29-08-2025	ओ.एन.ओ.एस संस्थागत प्रशासन एवं अभिगम: आंध्र प्रदेश और तेलंगाना	श्री दिनेश रंजन प्रधान, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	98
10.	04-08-2025	ओ.एन.ओ.एस. संस्थागत प्रशासन एवं अभिगम: पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	श्री दिनेश रंजन प्रधान, साइंटिस्ट-डी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	50
			कुल प्रतिभागी	1485

ओ.एन.ओ.एस. पर प्रकाशकों के सहयोग से उपयोगकर्ता जागरूकता वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन

इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र ने प्रकाशकों के सहयोग से निम्नलिखित छह (06) जागरूकता वेबिनार आयोजित किए।

क्र. सं.	कार्यक्रम का विवरण	तिथि
1.	अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (ACS) एवं अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस (AAAS) के सहयोग से 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	13-08-2025
2.	'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) – एक्सप्लोर, एंगेज, एक्सेल: अनुसंधान एवं व्यावहारिक उपयोग हेतु लिपिनकॉट संसाधनों का प्रभावी उपयोग	22-08-2025
3.	एल्सेवियर (Elsevier) के सहयोग से 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	09-09-2025
4.	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के सहयोग से 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	16-09-2025
5.	अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसाइटी के सहयोग से 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	17-09-2025
6.	टेलर एंड फ्रांसिस के सहयोग से 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	30-09-202

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई..एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

इस प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने विद्वान/आई.आर.आई.एन.एस. (VIDWAN / IRINS) पर निम्नलिखित एक (01) संस्थान-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	विशेषज्ञों के नाम
1	कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर	03-09-2025	145	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

शोध-चक्र पर जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का द्वार

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने शोध-चक्र पर चार (04) ऑनलाइन संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	वक्ता-विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1	मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा	07-05-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	20
2	सुमनदीप विद्यापीठ, वडोदरा, गुजरात	08-05-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	5
3	जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक	13-05-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	100
4	इंस्टीट्यूट ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट एंड रिसर्च, आई.पी.एस. अकादमी, इंदौर, मध्य प्रदेश	16-05-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	38
			कुल	163

इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सेवा (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने आई.एल.एम.एस. पर दो (02) ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	वक्ता-विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज	18-08-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) तथा श्री अरशद रफीक खान	20
2	महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, तेलंगाना	21-08-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) तथा श्री अरशद रफीक खान	150
			कुल	170

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (NISD) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग ने इन्फ्लिबनेट केंद्र के माध्यम से जिला मजिस्ट्रेटों/जिलाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर 17 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के संचालन के प्रति जागरूक करना तथा टीजी प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं एवं तकनीकी समस्याओं का समाधान करना था। इन कार्यक्रमों में कुल 405 अधिकारियों ने भाग लिया।

क्र. सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	विषय विशेषज्ञ
1	हरियाणा	01-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	38
2	झारखंड	04-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	22
3	मणिपुर	08-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	28
4	पश्चिम बंगाल	11-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	23
5	मध्य प्रदेश	18-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	38
6	असम	22-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	22
7	बिहार	25-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	49
8	आंध्र प्रदेश	29-07-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	22
9	पंजाब एवं चंडीगढ़	05-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	34
10	गुजरात, दमन एवं दीव	08-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	38
11	सिक्किम	12-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	10
12	त्रिपुरा	19-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	12
13	उत्तराखंड	22-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	13
14	नागालैंड	29-08-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	11
15	हिमाचल प्रदेश	02-09-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	15
16	अरुणाचल प्रदेश	29-09-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	16
17	मिजोरम	17-09-2025	सुश्री वैष्णवी इंगले	14
			कुल	405

नई परियोजनाएँ/गतिविधियाँ

पुस्तकालय एवं सूचना सेतु - वर्चुअल एक्सेस हब फॉर इनोवेशन, नेटवर्किंग एंड इंटीग्रेशन (लिब-वाहिनी) का शुभारंभ

भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर 12 अगस्त 2025 को आयोजित 'राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस' समारोह के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र ने 'लिब-वाहिनी' (LIB-VAHINI) का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की सम्मानित अतिथि डॉ. जयंती एस. रवि (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, गुजरात सरकार ने इस मंच का लोकार्पण किया। लिब-वाहिनी की परिकल्पना पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एल.आई.एस.) के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों, शोधकर्ताओं तथा शिक्षाविदों के लिए एक समर्पित मंच के रूप में की गई है। इसका उद्देश्य एल.आई.एस. समुदाय के भीतर सहयोग, संसाधनों के आदान-प्रदान, कौशल विकास तथा उत्कृष्ट योगदानों को पहचान प्रदान करने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

चित्र 10: LIB-VAHINI की समाचार-पत्रिका का मुख्य पृष्ठ।

"असमकैट"(AssamCat) का शुभारंभ

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने 19 अगस्त 2025 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एंड ज्यूडिशियल एकेडमी (NLUJA), असम में आयोजित ' ओ.एन.ओ.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम' के दौरान 'इंडकैट' (IndCat) के एक उपसमूह (subset) "असमकैट" का शुभारंभ किया। इसका शुभारंभ इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा, NLUJA के कुलपति प्रो. केवीएस सरमा और एसीएलए , असम के अध्यक्ष डॉ. विभूति चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। "असमकैट" के बारे में अधिक जानकारी यहाँ उपलब्ध है: https://assamcat.inflibnet.ac.in/.

चित्र-11: राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय एवं न्यायिक अकादमी, असम में असमकैट के शुभारंभ की कुछ झलकियाँ

इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और भूमिका :-

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.)

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एन.आई.आर.एफ. के 10वें मूल्यांकन चक्र, अर्थात् इंडिया रैंकिंग्स 2025, का सफलतापूर्वक संचालन किया। वर्ष 2016 में एन.आई.आर.एफ. की शुरुआत से ही केंद्र ने इसके लिए विभिन्न मॉड्यूल विकसित किए हैं, जिनमें डेटा संकलन प्रणाली, फीडबैक प्रणाली, रैंकिंग मॉड्यूल तथा शोध डेटा एकीकरण शामिल हैं।

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने 4 सितंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में 'इंडिया रैंकिंग्स 2025' जारी की। इस अवसर पर केंद्र की एन.आई.आर.एफ. टीम भी समारोह में उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान एन.आई.आर.एफ. – इंडिया रैंकिंग्स के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा दिए गए सहयोग और योगदान की सराहना करते हुए उसे औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान की गई।

चित्र-12 : 'इंडिया रैंकिंग्स 2025' के विमोचन समारोह में इन्फ्लिबनेट की टीम

विद्वान , भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली , शेरनी एवं लिब-वाहिनी

विद्वान (VIDWAN) डेटाबेस में रिपोर्टिंग अवधि तक 3,23,332 से अधिक संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफाइल उपलब्ध हैं। एन.आई.आर.एफ. , जो इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रदान

की जाने वाली एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना सेवा है, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों तथा वैज्ञानिकों को अपने शोध संबंधी गतिविधियों को एकत्रित, सुव्यवस्थित और प्रदर्शित करने में सहायता करती है, साथ ही यह एक शैक्षणिक नेटवर्क बनाने का अवसर भी प्रदान करती है।

इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा अब तक 1,720 एन.आई.आर.एफ. इंस्टेंस विभिन्न संस्थानों के लिए बनाए जा चुके हैं, जिनमें रिपोर्टिंग अवधि के दौरान बनाए गए 100 नए इंस्टेंस भी शामिल हैं। इस परियोजना के माध्यम से 2,55,347 संकाय सदस्य एन.आई.आर.एफ. से जुड़े हुए हैं। इस प्रणाली ने विभिन्न स्रोतों से 33.80 लाख से अधिक (33,80,073) प्रकाशनों के मेटाडेटा को प्राप्त किया है तथा 3.52 करोड़ से अधिक (3,52,83,956) उद्धरण (citations) संकलित किए जा चुके हैं।

शेरनी (SheRNI): 'शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया' , यह महिला विशेषज्ञों का एक प्रोफाइल नेटवर्क है, जो विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को आपस में जोड़ता है तथा उनके प्रभावी उपयोग को सक्षम बनाता है। वर्तमान में इस प्लेटफ़ॉर्म पर 1,14,000 से अधिक विशेषज्ञ प्रोफाइल उपलब्ध हैं।

लिब-वाहिनी (LIB-VAHINI) , पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पेशेवरों के लिए समर्पित एक डिजिटल मंच है, जिसे इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा **12 अगस्त 2025 राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस** के अवसर शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर के एलआईएस पेशेवरों की प्रोफाइल, उपलब्धियों तथा सहयोगात्मक गतिविधियों को प्रदर्शित करने हेतु एक राष्ट्रीय स्तर का भंडार (repository) उपलब्ध कराना है। आज वर्तमान में इस प्लेटफ़ॉर्म पर 2,500 से अधिक एलआईएस पेशेवरों का नेटवर्क सक्रिय है।

शोध-चक्र (Shodh-Chakra): शोधार्थियों के लिए संसाधनों का एक प्रवेश द्वार

शोध-चक्र (Shodh-Chakra) इन्फ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जिसे यूजीसी के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके शोध प्रक्रिया के सम्पूर्ण चक्र के दौरान सहायता प्रदान करना है। यह मंच शोधार्थी, मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक तथा विश्वविद्यालय को एक साझा स्थान प्रदान करता है, जहाँ वे किसी शोध छात्र के शोध कार्य के सम्पूर्ण -चक्र का प्रभावी प्रबंधन कर सकते हैं। यह पोर्टल लाखों संसाधनों को एकीकृत करता है, जिनमें पूर्ण-पाठ शोध प्रबंध शामिल हैं, और शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण उपकरण भी उपलब्ध कराता है।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी, यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी तथा इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका मडाल्ली की सहभागिता में एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शोध अधिष्ठाताओं , निदेशकों तथा आईक्यूएसी समन्वयकों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य शोध-चक्र पोर्टल के माध्यम से शोध प्रक्रिया के सम्पूर्ण चक्र के प्रभावी प्रबंधन पर चर्चा करना था। इसमें शोध प्रोफाइल के प्रबंधन, शोध डेटा के संग्रहण एवं सुव्यवस्थित संगठन तथा शोध कार्यप्रवाह को सुचारु रूप से संचालित

करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि शैक्षणिक समुदाय को शोध कार्य में अधिक दक्षता एवं सुविधा प्राप्त हो सके।

चित्र-13: शोध-चक्र पर आयोजित ऑनलाइन बैठक की कुछ झलकियाँ

प्रतिवेदित अवधि तक, शोध-चक्र का उपयोग करने के लिए कुल 230 विश्वविद्यालयों ने इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 63 विश्वविद्यालयों ने इसी प्रतिवेदित अवधि के दौरान हस्ताक्षर किए हैं। इन 63 विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं	संस्थान का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि	इन्फ्लिबनेट द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि
1	सुरेंद्रनगर विश्वविद्यालय	28-07-2025	06-08-2025
2	एमआईटी विश्वप्रयाग विश्वविद्यालय	16-09-2025	19-09-2025
3	लोकभारती यूनिवर्सिटी फॉर रूरल इनोवेशन	12-09-2025	19-09-2025
4	यशवंत महाविद्यालय	09-09-2025	19-09-2025
5	केरल कलामंडलम डीम्ड यूनिवर्सिटी फॉर आर्ट एंड कल्चर	02-09-2025	19-09-2025
6	आईआईएमटी विश्वविद्यालय	13-09-2025	19-09-2025
7	डी. वाई. पाटिल एजुकेशनल सोसाइटी	11-09-2025	19-09-2025
8	पीटी. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय	12-09-2025	19-09-2025
9	आईईएस विश्वविद्यालय	15-09-2025	19-09-2025
10	भारत अंतर्राष्ट्रीय विधिक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय	15-09-2025	26-09-2025
11	श्री देवराज उर्स उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी	16-09-2025	26-09-2025
12	अमलतास विश्वविद्यालय	13-09-2025	26-09-2025
13	जगन्नाथ विश्वविद्यालय	15-09-2025	26-09-2025
14	आंजनेय विश्वविद्यालय	11-09-2025	26-09-2025
15	गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय	15-09-2025	26-09-2025
16	मैट्स विश्वविद्यालय	17-09-2025	26-09-2025
17	नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	17-09-2025	26-09-2025
18	डी वाई पाटिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी	18-09-2025	26-09-2025
19	दयानंद सागर विश्वविद्यालय	09-09-2025	26-09-2025

20	शिवाजीराव कदम प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान.	09-17-2025	26-09-2025
21	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन.आई.टी.टी.आर.) भोपाल	16-09-2025	26-09-2025
22	अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
23	बुंदेलखंड विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
24	चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
25	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
26	छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
27	किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
28	मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
29	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ	22-07-2025	22-07-2025
30	राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
31	लखनऊ विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
32	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
33	डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
34	डॉ० शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
35	जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
36	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
37	भात्खंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ	22-07-2025	22-07-2025
38	डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या	22-07-2025	22-07-2025
39	ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)	22-07-2025	22-07-2025
40	माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर	22-07-2025	22-07-2025
41	महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली	22-07-2025	22-07-2025
42	महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर	22-07-2025	22-07-2025
43	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ	22-07-2025	22-07-2025
44	डॉ० राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान	22-07-2025	22-07-2025
45	प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
46	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
47	बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
48	महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
49	डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
50	हार्कोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी	22-07-2025	22-07-2025
51	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु	22-07-2025	22-07-2025
52	उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
53	आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025

54	गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
55	माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर	22-07-2025	22-07-2025
56	माँ पटेश्वरी विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
57	मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
58	संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान	22-07-2025	22-07-2025
59	उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	22-07-2025	22-07-2025
60	कलकत्ता विश्वविद्यालय	20-08-2025	20-08-2025
61	दयानंद सागर विश्वविद्यालय	09-09-2025	26-09-2025
62	शिवाजीराव कदम प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान	17-09-2025	26-09-2025
63	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन.आई.टी.टी.टी.आर.) भोपाल	16-09-2025	26-09-2025

शोध-चक्र हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन.)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत किए गए अनुसार, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, आई.एस.बी.एन पोर्टल के तकनीकी प्रबंधन के साथ-साथ पंजीकरण, आवेदन और आईएसबीएन के आवंटन सहित इसकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन और निष्पादन कर रहा है। प्रतिवेदित अवधि (1 जुलाई से 30 सितंबर 2025) के दौरान, 5,499 हितधारकों ने आई.एस.बी.एन पोर्टल पर पंजीकरण कराया, जहाँ 14,758 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान हितधारकों और प्रकाशकों को कुल 1,83,711 आई.एस.बी.एन. आवंटित किए गए।

उभयलिंगी व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (TG पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के तहत, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने 'उभयलिंगी व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया गया। यह पोर्टल देश भर के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को किसी भी कार्यालय में जाए बिना, कहीं से भी डिजिटल रूप से प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के अनुसार इस सेवा का निरंतर संचालन एवं रखरखाव किया जा रहा है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों, जारी किए गए प्रमाणपत्रों एवं पहचान पत्रों तथा अन्य प्रासंगिक जानकारियों से संबंधित सांख्यिकीय आंकड़े प्रस्तुत करती है।

आवेदन (स्थिति के अनुसार)	प्राप्त आवेदनों की संख्या	अपात्र पाए गए आवेदनों की संख्या	जारी किए गए प्रमाण पत्रों की संख्या	जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या
जुलाई-सितंबर 2025	1665	231	1144	1140

शोधगंगा: भारतीय शोध प्रबंधों का एक भंडार

प्रतिवेदित अवधि (1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025) तक, इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा के लिए कुल 19 संस्थानों (17 विश्वविद्यालय एवं 2 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान/राष्ट्रीय महत्व के संस्थान) ने समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। जिससे शोधगंगा में पूर्ण-पाठ शोध प्रबंधों की संख्या में वृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय पुस्तकालयों हेतु सॉफ्टवेयर (सोल)

इस प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 'सोल वेब-आधारित एप्लीकेशन' (बीटा संस्करण) को डेमो एवं फीडबैक के लिए उपलब्ध कराया गया। यह एप्लिकेशन परीक्षण हेतु https://soulweb.inflibnet.ac.in/ पर उपलब्ध है। उपयोगकर्ता अपने ईमेल आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर प्रत्येक मॉड्यूल का उपयोग कर सकते हैं तथा अपने सुझाव https://soul.inflibnet.ac.in/suggestions पर साझा कर सकते हैं।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच (Outreach)

1. 22 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश के 38 राजकीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने 22 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश के राजकीय विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ आधिकारिक रूप से समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक सम्मेलन केंद्र, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (KGMU), लखनऊ में माननीय उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित किया गया। यह समझौता उत्तर प्रदेश के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में इन्फ्लिबनेट की सेवाओं एवं संसाधनों तक सुगम पहुँच सुनिश्चित करते हुए शैक्षणिक एवं अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चित्र-14: केजीएमयू (KGMU), लखनऊ में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह की कुछ झलकियाँ

2. कलकत्ता विश्वविद्यालय ने 20 अगस्त 2025 को स्वयंप्रभा (SwayamPrabha) शिक्षा के लिए मुफ्त डीटीएच चैनल हेतु इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

चित्र-15: कलकत्ता विश्वविद्यालय के साथ आयोजित समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर समारोह की एक झलक

केंद्र में हिंदी कार्यक्रमों सहित अन्य महत्वपूर्ण आयोजन एवं गतिविधियाँ

"विकसित भारत-2047 में सरकारी कार्यालयों की भूमिका" विषय पर, दो दिवसीय "अखिल गुजरात हिंदी संगोष्ठी", दिनांक 24 से 25 जुलाई 2025

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर, दिनांक 24 से 25 जुलाई 2025 तक, गांधीनगर स्थित गांधीनगर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सहयोग से, केंद्र में "विकसित भारत-2047 में सरकारी कार्यालयों की भूमिका" विषय पर, दो दिवसीय "अखिल गुजरात हिंदी संगोष्ठी" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, साहित्यिक विमर्श तथा अकादमिक विचारों का आदान-प्रदान था। यह आयोजन समस्त गुजरात के राज्य और केंद्र सरकार के विभिन्न सरकारी कार्यालयों के 100 से अधिक प्रतिभागियों और इन्फ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात, अखिल गुजरात हिंदी संगोष्ठी के संयोजक, श्री हरीश चंद्र जी, प्रशासनिक अधिकारी (कार्मिक एवं प्रशासन),

इन्फ्लिबनेट केंद्र, ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने अपना स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में संगोष्ठी के विषय "विकसित भारत-2047" की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में भाषा की भूमिका महत्वपूर्ण है और हिंदी संपर्क भाषा के रूप में सभी को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है।

इसके बाद, संगोष्ठी की सह-संयोजिका, डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान), इन्फ्लिबनेट केंद्र, द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

चित्र-16: दो दिवसीय अखिल गुजरात हिंदी संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की कुछ झलकियाँ

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस 2025 का आयोजन (12 अगस्त 2025)

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा 12 अगस्त 2025 को भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक , पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह की मेजबानी की। इस विशेष अवसर पर, केंद्र को मुख्य अतिथि के रूप में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब के डीएलआईएस के मानद प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) और यूजीसी एमेरिटस फेलो, प्रो. एम. पी. सतीजा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गुजरात सरकार के राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. जयंती एस. रवि, आई.ए.एस. की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में, इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने सभी उपस्थित गणमान्य जनों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया।

प्रो. सतीजा ने “दिग्विजयी एस. आर. रंगनाथन : लाइब्रेरियन टू द वर्ल्ड"” विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हैं। उनके इस प्रेरणादायी संबोधन ने श्रोताओं को प्रो. एस. आर. रंगनाथन के जीवन-प्रवास, उनके कार्यों तथा विश्व स्तर पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में दिए गए उनके अमूल्य योगदान के प्रति एक गहरी समझ और सम्मान की भावना जगाई।

डॉ. जयन्ती एस. रवि ने अपने विचारों में पुस्तकालयाध्यक्षता को एक बहुविषयक (Multi-disciplinary) क्षेत्र के रूप में रेखांकित करते हैं । साथ ही, इन्फ्लिबनेट केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए इसके लिए अपना समर्थन और प्रोत्साहन व्यक्त किए , जो केंद्र के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं महत्त्वपूर्ण रहा।

चित्र-17: 12 अगस्त 2025 को आयोजित 'राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस' समारोह की कुछ झलकियाँ

इस समारोह का मुख्य आकर्षण डॉ. जयंती एस. रवि, आईएएस द्वारा 'लिब-वाहिनी' (LIB-VAHINI : लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन ब्रिज – वर्चुअल एक्सेस हब फॉर इनोवेशन, नेटवर्किंग एंड इंटीग्रेशन) का आधिकारिक शुभारंभ था। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) पेशेवरों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को समर्पित एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में परिकल्पित, 'लिब-वाहिनी' का उद्देश्य एलआईएस समुदाय के भीतर सहयोग, संसाधन साझाकरण, कौशल विकास और पहचान को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने के पश्चात, श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस दौरान श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) ने कार्यक्रम के समन्वय एवं मंच संचालन का दायित्व संभाला। समारोह में इन्फ्लिबनेट कर्मियों के साथ-साथ गुजरात भर के विभिन्न शैक्षणिक व शोध संगठनों से आए 200 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

15 अगस्त 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस का गरिमापूर्ण आयोजन

इन्फ्लिबनेट केंद्र में 15 अगस्त 2025 को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गौरव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इन्फ्लिबनेट परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

चित्र-18: 15 अगस्त 2025 को आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ

राष्ट्रीय कर्मयोगी–वृहत पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम (RK-LSJSP) के तहत उत्तरोत्तर (कैस्केडिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम

सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (इनफ्लिबनेट), गांधीनगर ने अपने कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार की एक पहल—'राष्ट्रीय कर्मयोगी-व्यापक जन सेवा कार्यक्रम (RK-LSJSP)' के तहत दो (02) बैचों में एक-दिवसीय कैस्केडिंग प्रशिक्षण सत्रों का सफल आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच का आयोजन **15 सितंबर 2025** को किया गया था। इस सत्र में इनफ्लिबनेट केंद्र के **श्री मनोज कुमार के.**, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) और केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के **प्रो. सुभाष कुमार** ने मास्टर ट्रेनर (मुख्य प्रशिक्षक) के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

चित्र-19: राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के प्रथम बैच की कुछ झलकियाँ

इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा **22 सितंबर 2025** को इनफ्लिबनेट कर्मचारीगण के लिए 'राष्ट्रीय कर्मयोगी–व्यापक जन सेवा कार्यक्रम (RK-LSJSP)' के तहत दूसरे बैच के एक-दिवसीय कैस्केडिंग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इनफ्लिबनेट केंद्र के **श्री मनोज कुमार के.**, वैज्ञानिक-एफ और केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के उप-कुलसचिव (डिप्टी रजिस्ट्रार) **डॉ. हेमांग देसाई** ने मास्टर ट्रेनर्स के रूप में अपनी सेवाएँ दीं।

चित्र-20: राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के द्वितीय बैच की कुछ झलकियाँ

हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस

हिंदी पखवाड़ा एवं हिंदी दिवस 2025 के उपलक्ष्य में इनफ्लिबनेट केंद्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में 18 एवं 19 सितंबर 2025 को हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और सितंबर 2025 में नराकास गांधीनगर के सदस्य सचिव, श्री सर्वेश

तिवारी द्वारा एक व्याख्यान सत्र प्रस्तुत किया गया।

चित्र-20: हिंदी पखवाड़ा समारोह की कुछ झलकियाँ

24 सितंबर 2025 को, केंद्र में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, आईयूसीटीई उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सीएस) ने की।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि, प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए और उसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने हिंदी को भाषा के रूप में केवल संवाद का माध्यम न मानते हुए, इसे हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी बताया।

कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही, सभी कर्मचारियों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु शपथ ली और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

चित्र-21: हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह की कुछ झलकियाँ

दुर्गा पूजा 2025 – इनफ्लिबनेट केंद्र में दशहरा समारोह का आयोजन

दुर्गा पूजा के उत्सव को यादगार बनाने के लिए, इनफ्लिबनेट केंद्र ने **24 सितंबर 2025** को एक 'गरबा नाइट' का आयोजन हुआ, जो पूरी तरह भक्ति, आनंद और पारंपरिक नृत्य के रंग में डूबी रही। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मियों और उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गरबा की धुनों पर झूमते हुए उत्सव का आनंद उठाया।

चित्र-22: गरबा संध्या की कुछ झलकियाँ

संस्थान में नई नियुक्तियाँ

श्री आकाशकुमार रमनभाई राठौड़, (लिपिक-सह-टंकक)

श्री राठौड़ आकाशकुमार रमनभाई **01 अगस्त 2025** को लिपिक-सह-टंकक (क्लर्क-कम-टाइपिस्ट) के पद पर इनफ्लिबनेट केंद्र में' शामिल हुए। केंद्र में कार्यभार संभालने से पहले, वे एस.वी.एन.आई.टी. (SVNIT) सूरत में कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने वर्ष 2018 में गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय (GTU) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.ई.) की डिग्री पूरी की एवं आज वे अपनी सेवाएँ केंद्र को प्रदान कर रहे हैं।

आकाशकुमार रमनभाई राठौड़

दीवान आशिफशा सादिकशा, बहु-कार्यकर्मचारी (प्रयोगशाला सहायक - कंप्यूटर)

दीवान आशिफशा सादिकशा 12 सितंबर 2025 को बहु-कार्यकर्मचारी (प्रयोगशाला सहायक - कंप्यूटर) के पद पर इनफ्लिबनेट केंद्र में शामिल हुए। उन्होंने जुलाई 2025 में आनंद कृषि से कृषि सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक. की डिग्री पूरी की एवं आज वे अपनी सेवाएँ केंद्र को प्रदान कर रहे हैं।

दीवान आशिफशा सादिकशा

स्टाफ समाचार / कर्मचारी समाचार

प्रो. देविका पी. माडल्ली

- इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक , प्रो. देविका पी. मडल्ली ने **12 अगस्त 2025 को** गांधीनगर में गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (GUJCOST) द्वारा आयोजित, नीति आयोग की **'ईज ऑफ डूइंग आरएंडडी' (Ease of Doing R&D)** पर क्षेत्रीय परामर्श बैठक में भाग लिए । इस दौरान उन्होंने 'ज्ञान संसाधनों तक पहुँच बढ़ाना' (Enhancing Access to Knowledge Resources) तकनीकी सत्र के अंतर्गत **ओ.एन.ओ.एस.** और **आरडीएम – (रिसर्च डेटा मैनेजमेंट)** पर अपना विशेष संबोधन से सभी को संबोधित करती है ।
- इसके बाद, निदेशक महोदया को **23 अगस्त 2025** को 'ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद' (IRMA) परिसर, आनंद में हमदाबाद पुस्तकालय नेटवर्क (ADINET), अहमदाबाद और इर्मा (IRMA), आनंद द्वारा आयोजित लाइब्रेरियन डे 2025 के अवसर पर **"सस्टेनेबल लाइब्रेरीज़ फॉर सस्टेनेबल रूरल फ्यूचर्स"** (सतत ग्रामीण भविष्य के लिए सतत पुस्तकालय) विषयक एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में अपना मुख्य व्याख्यान दिए।

- इसी श्रृंखला में, **प्रो. माडल्ली ने** 27 अगस्त 2025 को कालीकट विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (DLIS) और सी. एच. मोहम्मद कोया लाइब्रेरी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने **"ओपन साइंस एंड स्कॉलरली पब्लिशिंग एवं एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.)"** विषय पर एक अत्यंत प्रेरणादायी और अग्रणी व्याख्यान (Frontier Lecture) दिए।
- आगे बढ़ते हुए, **इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने** 11-13 सितंबर 2025 तक नई दिल्ली में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित **'ज्ञान भारतम् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'** में भाग लिया और इस प्रतिष्ठित मंच पर अपना विशेष संबोधन दिए।

- इसके साथ ही, **निदेशक महोदया प्रो. माडल्ली को** 13 सितंबर 2025 को गुजरात विद्यापीठ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (LIS) तथा गुजरात ग्रंथालय सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **मुख्य अतिथि (Chief Guest)** के रूप में आमंत्रित किए गए। इस संगोष्ठी का विषय **"लाइब्रेरीज़: गेटवेज़ टू नॉलेज, पिलर ऑफ सोसाइटी"** (पुस्तकालय: ज्ञान के द्वार, समाज के स्तंभ) था, जहाँ उन्होंने सत्र को संबोधित किया।

- इसी क्रम में पुन:, **प्रो. माडल्ली ने** 18 सितंबर 2025 को नालंदा विश्वविद्यालय (राजगीर, बिहार) में आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों के 'ईएएस कॉन्क्लेव' (EAS Conclave) के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने वहाँ मौजूद शिक्षाविदों के समक्ष **"ओपन साइंस: इक्विटी इन एक्सेस टू**

रिसर्च आउटपुट्स" (मुक्त विज्ञान: अनुसंधान परिणामों तक पहुँच में समानता) विषय पर अपना शोधपरक मांगलिक प्रस्तुतीकरण (Presentation) पेश किए।

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान)

- श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान), को 24 सितंबर 2025 को गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) पहचान उपकरणों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से शैक्षणिक सत्यनिष्ठा को बढ़ावा" विषयक क्षेत्रीय एकदिवसीय कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- उसी क्रम में श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान), को पुन: 12 अगस्त 2025 को असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

श्री अशोक कुमार राय, वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान)

इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा श्री अशोक कुमार राय, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर सादर विदाई एवं हार्दिक शुभकामनाओं के साथ उनके सुखद भविष्य की कामना की गई। उनके केंद्र के प्रति 17 वर्षों से अधिक की गौरवशाली एवं समर्पित सेवा प्रदान करने के उपरांत वे 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुए। केंद्र, आज तक के उनके इस अद्वितीय और अपार योगदान के लिए सदैव उनका ऋणी रहेगा। इन्फ्लिबनेट परिवार उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान)

- उन्हें 5 जुलाई 2025 को यूजीसी-एम.एम.टी.सी , उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा "ई-कंटेंट डेवलपमेंट एंड मूक्स" विषय पर आयोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम में उन्हें विषय विशेषज्ञ **(Resource Person)** के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने "ई-लर्निंग: प्लेटफॉर्म्स" तथा "ई-लर्निंग: कंटेंट क्रिएशन" विषयों पर व्याख्यान दिए और साथ ही समापन सत्र की अध्यक्षता कर उसे सफल बनाया ।
- इसके बाद, एम.एम.टी.टी.सी. (MMTTC), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा 24 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक आयोजित "ऑनलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम" में आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने विषय विशेषज्ञ रूप में "शिक्षा में आई.सी.टी. की आधुनिक तकनीकें – (थीम VIII)" विषय पर सत्र प्रस्तुत किया तथा प्रश्नोत्तर सत्र का भी संचालन किए।
- इसी श्रृंखला में उन्हें पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (एनईएचयू), एम.एम.टी.सी. द्वारा नवनियुक्त संकायों के लिए 6 सितंबर 2025 को आयोजित "19वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (अभिमुखीकरण)" में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने "इंडियन रिसर्च इंफॉर्मेशन नेटवर्क सिस्टम (IRINS) और शोधचक्र" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किए।
- आगे बढ़ते हुए, उन्हें सरदार पटेल विश्वविद्यालय के एम.एम.टी.टी.सी. द्वारा 6 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.इ.पी) ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित "16वें ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम" में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने "अकादमिक समुदाय के प्रति इन्फ्लिबनेट की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिए।
- इसके साथ ही, उन्हें 13 सितंबर 2025 को "लाइब्रेरीज़: गेटवेज़ टू नॉलेज, पिलर ऑफ सोसाइटी" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने "अकादमिक समुदाय के लिए इन्फ्लिबनेट की सेवाएं" विषय पर सत्र प्रस्तुत किए।
- उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (IGNTU), अनूपपुर, मध्य प्रदेश में 24 सितंबर 2025 को "एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर (बहुविषयक)" विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने "अनुसंधान के लिए इन्फ्लिबनेट और इसके विभिन्न अकादमिक रिपॉजिटरीज़" विषय पर व्याख्यान दिए।
- इसी क्रम में , सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आणंद द्वारा 26 सितंबर 2025 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के अंतर्गत आयोजित "93वें ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स (UGC-MMTTC)" में विषय विशेषज्ञ

के रूप में ऑनलाइन सत्र के लिए आमंत्रित किया गया , जहाँ उन्होंने "ई-लर्निंग में पुस्तकालयाध्यक्ष की भूमिका" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किए।

- उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर द्वारा 30 सितंबर 2025 को आयोजित फैकल्टी इंडक्शन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के दौरान "अकादमिक समुदाय के लिए इन्फ्लिबनेट की सेवाएं" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र को संबोधित किया और इन्फ्लिबनेट की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी।

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)

- उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आई.आई.टी. गांधीनगर में आयोजित प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला " **पुस्तकालयों में एआई-पावर्ड सर्च** – लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी समझ पर एक क्रैश कोर्स में भाग लिया। इसके साथ ही 25 से 27 सितंबर 2025 तक आयोजित सी.एल.एस.टी.एल. - 2025 सम्मेलन में भी शिरकत की।

श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)

- उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आई.आई.टी. गांधीनगर में आयोजित सी.एल.एस.टी.एल. - 2025 के अंतर्गत प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला **" पुस्तकालयों में एआई-पावर्ड सर्च – लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी समझ पर एक क्रैश कोर्स"** में भाग लिया।
- इसी क्रम में 9 जुलाई 2025 को **निफ्ट गांधीनगर**, गुजरात में आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम (अभिमुखीकरण कार्यक्रम) के दौरान **"डिस्कवरी फ्रॉम ई-रिसोर्स एक्सेस एंड एक राष्ट्र एक सदस्यता** विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किए ।

श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)

- उन्होंने 22 से 24 सितंबर 2025 तक आइरिस कॉलेज, ल्यूवेन (बेल्जियम) में आयोजित ओपन एक्सेस स्कॉलरली पब्लिशिंग एसोसिएशन (OASPA) 2025 सम्मेलन में "ओपन साइंस को सशक्त बनाना : स्मार्ट विद्वतापूर्ण प्रकाशन हेतु भारत का ओपन एक्सेस मॉनिटर" विषय पर लाइटनिंग टॉक प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किए गए।
- इसी क्रम में 27 सितंबर 2025 को स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान **"अनुसंधान दृश्यता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विद्वान (VIDWAN) तथा आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS) का उपयोग"** विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

श्री गौरव प्रकाश, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)

- उन्होंने 19 सितंबर 2025 को ओरेकल कार्यालय (Oracle Office), गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में आयोजित **"क्लाउड वर्कशॉप"** में भाग लिया।

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)

- उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित सी.एल.एस.टी.एल. (CLSTL) 2025 के अंतर्गत प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला " **"पुस्तकालयों में एआई-पावर्ड सर्च – लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी समझ पर एक क्रैश कोर्स"** में भाग लिया।

श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)

उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आयोजित प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला **"लाइब्रेरीज़ में एआई-पावर्ड सर्च – लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी समझ पर एक क्रैश कोर्स"** में भाग लिया। इसके उपरांत 25 से 27 सितंबर 2025 तक आई.आई.टी. गांधीनगर में आयोजित सी.एल.एस.टी.एल. (CLSTL) 2025 सम्मेलन में भी शिरकत की।

श्री धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान)

- उन्हें मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात के कंप्यूटर एप्लीकेशन संकाय द्वारा 14 से 19 जुलाई 2025 तक आयोजित **"साइबर सिक्योरिटी फॉर अ सस्टेनेबल डिजिटल फ्यूचर"** विषय पर एआईसीटीई-अटल (AICTE-ATAL) एफडीपी (संकाय विकास कार्यक्रम) में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- उन्हें सी. एम. पटेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, गांधीनगर में 2 अगस्त 2025 को **"शोधार्थियों के लिए इन्फ्लिबनेट की सेवाएं"** विषय पर एक सत्र संचालित करने के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- उन्हें 12 अगस्त 2025 को गेज़िया (GEZIA) सेमिनार हॉल, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित **"राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एन.ए.टी.एस.) तथा राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)"** विषयक कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- उन्होंने 19 सितंबर 2025 को ओरेकल कार्यालय (Oracle Office), गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में आयोजित **"क्लाउड वर्कशॉप"** में भाग लिया।

श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान)

- उन्होंने 2 सितंबर 2025 को यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एम.एम.टी.टी.सी.), कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर में सोल 3.0 सॉफ्टवेयर विषय पर व्याख्यान प्रदान किए।

डॉ. नवनीत कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान)

- उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आयोजित प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, **"लाइब्रेरीज़ में एआई-पावर्ड सर्च : लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी अवधारणाओं पर एक क्रैश कोर्स"** में सहभागिता की। इसके

उपरांत, 25 से 27 सितंबर 2025 तक आईआईटी गांधीनगर में आयोजित सी.एल.एस.टी.एल.-2025 सम्मेलन में भी भाग लिए।

श्री हेमंत कुमार, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान)

- उन्होंने 24 सितंबर 2025 को आई.आई.टी. गांधीनगर में आयोजित प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, **"पुस्तकालयों में एआई-पावर्ड सर्च :** लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए बुनियादी अवधारणाओं पर एक क्रैश कोर्स" में सहभागिता की। इसके उपरांत, 25 से 27 सितंबर 2025 तक आयोजित सी.एल.एस.टी.एल.-2025 सम्मेलन में भी भाग लिया ।

आगंतुक – औद्योगिक और शैक्षणिक भ्रमण

संस्थानवार आगंतुकों का विवरण			
क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**छात्रों/संकाय सदस्यों की संख्या**	**भ्रमण की तिथि**
1	**वी.पी. एवं आर.पी.टी.पी. विज्ञान महाविद्यालय, गुजरात**	**50 + 5**	**22-08-2025**
2	**सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभाग, एस.एन. पटेल प्रौद्योगिकी संस्थान, बारडोली**	**102 + 10**	**19-09-2025**
3	**सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा**	**104 + 8**	**26-09-2025**

1.संस्थानीय/औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत वी.पी. एंड आर.पी.टी.पी. साइंस कॉलेज, गुजरात के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बी.सी.ए.) पाठ्यक्रम के 50 विद्यार्थियों एवं 5 संकाय सदस्यों के एक दल ने 22 अगस्त 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान), ने इन्फ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न गतिविधियों एवं सेवाओं तथा उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अनुसंधान एवं शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर एक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किए।

वी.पी. एंड आर.पी.टी.पी. साइंस कॉलेज, गुजरात से आए आगंतुक

2. संस्थागत/औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एस.एन. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बारडोली के सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभाग के 102 विद्यार्थियों एवं 10 संकाय सदस्यों के एक दल ने 19 सितंबर 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान), ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इन्फ्लिबनेट केंद्र में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रौद्योगिकियों, सॉफ्टवेयरों एवं डेटाबेसों का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त, डॉ. एच.जी. होसमानी, सलाहकार (पुस्तकालय विज्ञान), ने इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों एवं सेवाओं पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए।

एस.एन. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बारडोली के सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभाग से आए आगंतुक

3. संस्थागत/औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा के सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभागों के 104 विद्यार्थियों एवं 8 संकाय सदस्यों के एक दल ने 26 सितंबर 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान), ने आगंतुकों/प्रतिभागियों को इन्फ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न गतिविधियों एवं सेवाओं से अवगत कराते हुए एक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्र प्रस्तुत किए।

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा के सी.एस.ई. एवं आई.टी. विभागों से आए आगंतुक

क्षेत्रीय समाचारों एवं सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट :

विधि आदि विषयों में परीक्षा पास

सूचना आज की बड़ी जरूरत: राज्यपाल

एमओयू

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। विश्वविद्यालयों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र के विस्तार के लिए 38 एमओयू किए गए। राजधानी स्थित केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में यह एमओयू किए गए। राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान और शोध के क्षेत्र में सूचना की सहज उपलब्धता आज के युग की आवश्यकता है।

केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में एमओयू हुए।

कार्यक्रम में तीन विश्व कीर्तिमान बनाए जाने पर इसमें शामिल प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर उन्होंने सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में 1402597 प्रतिभागियों ने एक साथ हिस्सा लिया। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। पढ़े विश्वविद्यालय-बढ़े विश्वविद्यालय पढ़े महाविद्यालय-बढ़े महाविद्यालय अभियान के तहत 1577960 प्रतिभागियों के द्वारा पुस्तक पठन का कीर्तिमान बनाया गया। दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत की दिशा में 1605847 प्रतिभागियों ने एक साथ शपथ ली। इन कीर्तिमानों में शामिल प्रतिभागियों को राज्यपाल ने आयोजन में सम्मानित किया।

सिटी स

प्रासंगिक व समाजोपयोगी शोध को प्राथमिकता दें शिक्षण संस्थान

- उप्र के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी नेटवर्क की दिशा में बड़ा कदम
- तीन विश्व कीर्तिमानों के लिए राज्यपाल को किया गया सम्मानित

राज्यपाल की अध्यक्षता में 38 एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विवि, लखनऊ में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र की सेवाओं को लागू करने के लिए 38 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल विश्वविद्यालयों की शोध क्षमताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को तीन विश्व कीर्तिमानों के लिए प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इन कीर्तिमानों में शामिल है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम, जिसमें प्रदेश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के 14,02,597 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दूसरा 'पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय' अभियान, जिसमें 15,77,960 प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से पुस्तक पठन में भाग लिया और तीसरा 'दहेज मुक्त भारत' और 'नशा मुक्त भारत' अभियान, जिसमें 16,05,847 प्रतिभागियों ने एक साथ शपथ ली। इन उपलब्धियों को विश्व कीर्तिमान के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है और उत्तर प्रदेश को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान और शोध के क्षेत्र में सूचना की सहज उपलब्धता आज की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपने पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधनों से लैस करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने यह भी कहा कि शिक्षा संस्थानों को प्रासंगिक, व्यवहारिक और समाजोपयोगी शोध को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, किसानों, ग्रामीणों और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु गंभीर अनुसंधान कार्य करने पर बल दिया। राज्यपाल ने गुजरात में स्थापित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे यह संस्थान रक्षा अनुसंधान में अग्रणी बन चुका है। उन्होंने पेटेंट और नवाचार की दिशा में विश्वविद्यालयों को सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता बताई और कोविड काल में भारत द्वारा विकसित वैक्सीन को भारतीय वैज्ञानिक क्षमता का प्रमाण बताया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने 'लांच आफ डैसबोर्ड यूनिवर्सिटी आफ उत्तर प्रदेश राजभवन, लखनऊ' भी किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबडे ने कहा कि राज्यपाल की प्रेरणा से उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध व नवाचार की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और राज्य के विश्वविद्यालय वैश्विक पहचान प्राप्त करेंगे। सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र, गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी. मादल्ली और सीनियर साइंटिस्ट प्रो. अभिषेक कुमार द्वारा प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि यह नेटवर्क कैसे विश्वविद्यालयों की शोध व प्रकाशन प्रणाली को डिजिटल रूप से सुदृढ़ करेगा। प्रतिनिधियों के साथ आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में तकनीकी समस्याओं का समाधान भी साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राज्यपाल की दूरदर्शी सोच का परिणाम है और इससे प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों को लाभ मिलेगा।

सभी राज्य विश्वविद्यालय अब जुड़ेंगे वैश्विक शोध से

- सूचना व पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र की सेवाओं के लिए 38 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर
- राज्यपाल ने दिया सभी विवि को गांवों, किसानों, महिलाओं की समस्याओं पर शोध करने पर जोर

आनंदीबेन पटेल (फाइल)

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालय डिजिटल युग में और तेजी से कदम बढ़ाएंगे। 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना के तहत मंगलवार को राजधानी में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में इनफ्लिबनेट (सूचना व पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र) की सेवाओं के लिए 38 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इससे विश्वविद्यालयों को देश और विदेश के उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्रों और प्रकाशनों तक सरल और मुफ्त पहुंच मिल सकेगी।

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि इन समझौतों से विश्वविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ने के साथ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध से जोड़ने में सुविधा होगी। शोध और अध्ययन सामग्री की सहज उपलब्धता आज की शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्वविद्यालय अपने पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित करें ताकि विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक गुणवत्तापूर्ण अध्ययन कर सकें। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे केवल किताबी ज्ञान पर नहीं, बल्कि समाज की जमीनी समस्याओं पर आधारित व्यावहारिक और समाजोपयोगी शोध को प्राथमिकता दें। गांव, किसान, महिलाएं, बच्चे, स्वास्थ्य, ग्रामीण जीवन और समाज की वास्तविक समस्याओं को पहचान कर उनके समाधान पर केंद्रित शोध होने चाहिए। तकनीकी संस्थानों और स्वास्थ्य विश्वविद्यालयों को पेटेंट और नवाचार के क्षेत्र में भी सक्रियता बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने, सकारात्मक अध्ययन वातावरण बनाने और कक्षा 12 के बाद उच्च शिक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। इनफ्लिबनेट गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी. मादल्ली और वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. अभिषेक कुमार ने प्रेजेंटेशन के माध्यम इस तकनीक की कार्यप्रणाली और लाभ समझाए। कार्यक्रम में सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, पुस्तकालयाध्यक्ष, शोध निदेशक, कुलसचिव और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

इनफ्लिबनेट : एक क्लिक में शोध सामग्री

इनफ्लिबनेट यूजीसी की एक स्वायत इकाई है दो देश के विश्वविद्यालयों को साझा डिजिटल संसाधन प्रदान करती है। 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना के अंतर्गत अब किसी भी विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक केवल एक क्लिक में देश-विदेश में हो रहे शोध कार्यों, जर्नलों और अन्य शैक्षिक संसाधनों की जानकारी पा सकेंगे।

राज्यपाल को सौंपे गए तीन विश्व रिकार्ड के प्रमाणपत्र: कार्यक्रम में राज्यपाल को तीन महत्वपूर्ण अभियानों के गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड प्रमाणपत्र भी सौंपे गए। एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद की ओर से यह प्रमाणपत्र राज्यपाल को दिए गए। इन तीन अभियानों में सभी विश्वविद्यालयों ने योग दिवस (21 जून) पर 14,02,597 प्रतिभागियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार किया। 'पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय' अभियान में 15,77,960 प्रतिभागियों ने एक साथ पुस्तक पठन किया। दहेज मुक्त और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 16,05,847 प्रतिभागियों ने एक साथ शपथ ली।

ज्ञान और शोध के क्षेत्र में सूचना की सहज उपलब्धता वर्तमान युग की आवश्यकता

ग्रामीण क्षेत्र, स्वास्थ्य, रक्षा और समाज से जुड़ी समस्याओं की पहचान व समाधान पर उच्च शिक्षा संस्थानों को गंभीर शोध कार्य करने की आवश्यकता : आनंदीबेन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों/ संस्थानों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र की सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु 38 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालयों में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क सेवाओं की सुविधा को विस्तार देने और पुस्तकालयों एवं रिसर्च संसाधनों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। राज्यपाल को तीन विश्व कीर्तिमानों हेतु प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित भी किया गया। कुलाधिपति के नेतृत्व में प्रदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और उनके द्वारा गोद लिए गए गांवों तथा अन्य स्थानों पर आयोजित जनसहभागिता आधारित ऐतिहासिक कार्यक्रमों की उपलब्धियों में प्रथम 21 जून को आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम है, जिसमें प्रदेश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित कुल

14,02,597 प्रतिभागियों ने एक साथ प्रतिभाग किया, जो एक अभूतपूर्व योग आयोजन बनकर विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

द्वितीय उपलब्धि पढ़े विश्वविद्यालय बढ़े विश्वविद्यालय एवं पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय अभियान के अंतर्गत 15,77,960 प्रतिभागियों द्वारा पुस्तक पठन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं उनके गोद लिए गांवों के नागरिकों एवं अन्य ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यकार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान और शोध के क्षेत्र में सूचना की सहज उपलब्धता आज के युग की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे अपने पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित करें, जिससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सुलभ हो सके। इस समझौते के माध्यम से राज्य के विश्वविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध से जोड़ने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्वविद्यालयों में प्रासंगिक, व्यवहारिक और समाजोपयोगी शोध को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि किसान, महिलाएं, बच्चे, ग्रामीण क्षेत्र, स्वास्थ्य, रक्षा और समाज से जुड़ी वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान खोजने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों को गंभीर शोध कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों में पठन-पाठन की आदत विकसित करने, सकारात्मक अध्ययन वातावरण निर्मित करने तथा बारहवीं कक्षा के बाद उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राजभवन में आयोजित भाषण प्रतियोगिता का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। साथ ही, विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में भाग लेने वाले प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकला की सराहना करते हुए कहा कि इन पेंटिंग्स में छिपे विचार अत्यंत प्रेरक होते हैं और इन बच्चों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। प्रदेश के दो कुलपति पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से विभूषित किए गए हैं, जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र के अधिकारी, सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक, कुलसचिव, आई क्यू एसी हेड, पुस्तकालयाध्यक्ष, रिसर्च निदेशक तथा विद्यार्थियों सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

अमर उजाला | राजधानी | लखनऊ | बुधवार, 23 जुलाई 2025 | 7

राज्य विवि में पुस्तकालय की सेवाएं होंगी डिजिटल

राज्यपाल की उपस्थिति में सभी राज्य विवि ने गांधीनगर की संस्था के साथ किया एमओयू, तीन विश्व कीर्तिमान के लिए राज्यपाल का सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों व महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों में पुस्तकालय व शोध सेवाएं डिजिटल होंगी। इससे शिक्षक व छात्र विदेश के शोध, जर्नल व पेटेंट आसानी से देख सकेंगे। साथ ही पुस्तकालय की सूचनाएं ऑनलाइन, शोध कार्यों के प्रबंधन, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहुंच भी सुदृढ़ होगी।

इसके लिए मंगलवार को राज्य विवि व शैक्षिक संस्थानों ने यूजीसी की संस्था इनफ्लिबनेट के साथ एमओयू किया। इसके केंद्र के रूप में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र गांधीनगर ने एमओयू किया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में अटल कनवेंशन सेंटर में हुए कार्यक्रम में ये एमओयू हुए। कार्यक्रम में राज्यपाल को तीन

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। -राजभवन

विश्व कीर्तिमान के लिए प्रमाणपत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इनमें राज्यपाल के नेतृत्व में विवि व कॉलेजों द्वारा गोद लिए गांवों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुए सूर्य नमस्कार, पढ़े विवि बढ़े विवि व पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय अभियान के तहत सबसे ज्यादा प्रतिभागियों के पुस्तक पढ़ने और दहेज मुक्त भारत व नशा मुक्त भारत के लिए सामूहिक शपथ के विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी मादल्ली समेत राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति भी शामिल हुए।

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क से मिलेगी अध्ययन सामग्री, एमओयू पर हस्ताक्षर

आगराः डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) के साथ मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि एमओयू से राज्य के विश्वविद्यालयों में डिजिटल पुस्तकालयों और शोध संसाधनों की संरचना अधिक सशक्त होगी। इससे गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री

डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) के साथ मंगलवार को लखनऊ में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू किया। कुलपति प्रो. आशु रानी मौजूद रहीं • सौजन्य विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को सहज सुलभ हो सकेगी। कुलसचिव अजय कुमार मिश्रा, आइक्यूएसी के निदेशक प्रो. संजय चौधरी, लाइब्रेरियन प्रो. मोहम्मद अरशद मौजूद रहे।

अमर उजाला | राजधानी | लखनऊ | बुधवार, 23 जुलाई 2025 | 7

राज्य विवि में पुस्तकालय की सेवाएं होंगी डिजिटल

राज्यपाल की उपस्थिति में सभी राज्य विवि ने गांधीनगर की संस्था के साथ किया एमओयू, तीन विश्व कीर्तिमान के लिए राज्यपाल का सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों व महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों में पुस्तकालय व शोध सेवाएं डिजिटल होंगी। इससे शिक्षक व छात्र विदेश के शोध, जर्नल व पेटेंट आसानी से देख सकेंगे। साथ ही पुस्तकालय की सूचनाएं ऑनलाइन, शोध कार्यों के प्रबंधन, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहुंच भी सुदृढ़ होगी।

इसके लिए मंगलवार को राज्य विवि व शैक्षिक संस्थानों ने यूजीसी की संस्था इनफ्लिबनेट के साथ एमओयू किया। इसके केंद्र के रूप में सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र गांधीनगर ने एमओयू किया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में अटल कनवेंशन सेंटर में हुए कार्यक्रम में ये एमओयू हुए। कार्यक्रम में राज्यपाल को तीन विश्व कीर्तिमान के लिए प्रमाणपत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इनमें राज्यपाल के नेतृत्व में विवि व कॉलेजों द्वारा गोद लिए गांवों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुए सूर्य नमस्कार, पढ़े विवि बढ़े विवि व पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय अभियान के तहत सबसे ज्यादा प्रतिभागियों के पुस्तक पढ़ने और दहेज मुक्त भारत व नशा मुक्त भारत के लिए सामूहिक शपथ के विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से पुस्तकालयों को डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी मादल्ली समेत राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति भी शामिल हुए।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। -राजभवन

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क से मिलेगी अध्ययन सामग्री, एमओयू पर हस्ताक्षर

आगराः डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) के साथ मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि एमओयू से राज्य के विश्वविद्यालयों में डिजिटल पुस्तकालयों और शोध संसाधनों की संरचना अधिक सशक्त होगी। इससे गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को सहज सुलभ हो सकेगी। कुलसचिव अजय कुमार मिश्रा, आइक्यूएसी के निदेशक प्रो. संजय चौधरी, लाइब्रेरियन प्रो. मोहम्मद अरशद मौजूद रहे।

डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) के साथ मंगलवार को लखनऊ में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में एमओयू किया। कुलपति प्रो. आशु रानी मौजूद रहीं • सौजन्य विश्वविद्यालय

इनफ्लिबनेट से जुड़ेंगे सभी राज्य विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय

काशी विद्यापीठ व संस्कृत विश्वविद्यालय ने किया समझौता

- राज्यपाल व कुलाधिपति के नेतृत्व में लखनऊ में हुआ अनुबंध
- राज्य विश्वविद्यालयों ने बढ़ाया शोध नवाचार की दिशा में कदम

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सूबे के सभी राज्य विश्वविद्यालय के पुस्तकालय इन्फारमेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) से जुड़ेंगे। इस क्रम में मंगलवार को लखनऊ में राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ व संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ने इनफ्लिबनेट, गांधीनगर से समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौते के तहत पुस्तकालय का आटोमेशन किया जाएगा। साथ ही शोधार्थियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को 'शोध गंगा', 'शोध गंगोत्री', ई-जर्नल्स तथा आइएनएफएलआइबीनेट जैसी उन्नत डिजिटल शोध सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं विश्वविद्यालय की शोध रैंकिंग और अकादमिक प्रतिष्ठा भी सुदृढ़ होगी। समझौता पत्र पर इनफ्लिबनेट की निदेशक प्रो. देविका पी. मादल्ली ने हस्ताक्षर किया। वहीं संस्कृत विवि से समझौता पत्र पर कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा, कुलसचिव राकेश कुमार, लाइब्रेरियन प्रो. राजनाथ व प्रो. रमेश प्रसाद ने हस्ताक्षर किया। उधर, काशी विद्यापीठ की कुलसचिव डा. सुनीता पांडेय, आइक्यूएसी की निदेशक प्रो. नंदिनी सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष शिवराम वर्मा एवं शोध निदेशक डा. राहुल गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि यह सहयोग पारंपरिक संस्कृत ज्ञान और आधुनिक शोध-प्रवृत्तियों के बीच एक सार्थक सेतु बनेगा। इनफ्लिबनेट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्थापित एक प्रमुख संस्थान है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को डिजिटल पुस्तकालय संसाधनों, डेटाबेस, ई-पत्रिकाओं और शोध सामग्री की सुविधा उपलब्ध कराना है।

इनफ्लिबनेट से हुए अनुबंध पत्र दिखाते राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, साथ में संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा व अन्य लोग • जागरण

बीएचयू में पीजी प्रवेश के लिए मिड इंट्री शुरू, 27 तक मौका

उत्कृष्टता अनुसंधान के लिए मिलेगा पुरस्कार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के संस्थानों और विभागाध्यक्षों को पत्र